नशा तो बस बहाना है

लोग कहते है शराब होती है बुरी

करती है हमें खोकला हर घडी घडी

लेकिन शराबियों को तो बस इसी का है सहारा

बिना पिए लोगो ने तो मुल्क बिखेर डाला

नशा हर चीज़ में होता है इससे कोई बचा नहीं

शराब पीते है शौख से लोग इसकी कोई वजह नहीं

भले सूने मन में कितनी भी हो आश

शराब पीकर निकल जाती है हर पीड़ा और भड़ास

ऐसा नहीं है की पीनेवाले अच्छे होते नहीं

फर्क होता है कूट अनंत का इसकी कोई सज़ा नहीं

भले लोग कहते हो शराबी कुछ कर नहीं सकते

शराबी परवाह करते नहीं चलते है सिर्फ मन के रस्ते

आगे तो भड़ते है नशे में रहेवाले इसमें कोई दो राय नहीं

भले लड़खडाए कदम पर मंजिल उनके साथ सभी

घने अँधेरे में भी पा लेते है रास्ते बिना किसी मुकाम के

शराबी मिलते है सबसे बड़े दिल-ओ-जान से

नशा तो ज़िन्दगी का नाम है दूसरा बिना इसके कही मज़ा नहीं

पीनेवाले शबाब में डूब जाते है पर होते किसीसे खफा नहीं

सुबह जब खिलती है तो गीत सुनाई पड़ता है

जाम अगर मिल जाए तो मीत दिखाई पड़ता है

दिल की सारी कथा कहते है पीनेवाले

लोग भले शराबी कहें लेकिन ये होते है भोले-भाले

ये नहीं कहना हमें की नशा होता है जरूरी

ये तो बस एक साथी है जिसके बिने ज़िन्दगी अधूरी

जब लोग शुरू करते है तो कहते है सिर्फ शौख के लिए

मगर जब पी लेते है तो कहते है जीना नहीं हमें और पीते है सिर्फ मौत के लिए

कुछ लोग कहते है शराबी का नशे पर कोई जोर नहीं

मगर जो शराबी धाडस बाँध लेते है उनके आगे कोई और नहीं

बादल जब गरजते है तो अलग अलग होता है अंजाम

कुछ लोग जब पी लेते है तो होता नहीं उन्हें ध्यान

चाहे हो चाहत का नशा, चाहे ज़िन्दगी में बढ़ने का

बढ़ते तो वही है जिनमे नशा होता है ज़िन्दगी में कुछ करने का

नशे का मतलब सिर्फ शराब नहीं ये तो बस बहाना है

नशा उन्ही को होता है जिन्हें ज़िन्दगी में सब कुछ पाना है

धीरू हो या माल्या नशा सब में था

किसी की थी लगन तो किसी का मुकाम शबाब और शब् में था

ऐसा नहीं की शराबी होते है मगन भूले अपनी लगन

नशा होता है उनमे अपनी मंजिल का चाहे हो पीड़ा चाहे हो पतन

किशोर पाठक